१८-ये मान्यताएं गलत हैं:

- ✓ पावडर या अन्य प्रकार का दूध शिशु के लिए गुणकारी है।
- ✓ प्रसव के बाद, शुरुआत में माता के स्तन से निकलने वाला गाढ़ा पदार्थ (दूध) शिशु को नहीं देना चाहिए। यह 'भारी' होता है।
- ✓ पहला आहार के रूप में शिशु को शहद अथवा गुड़ का पानी देना चाहिए। माता का दूध तीसरे दिन से शुरू करना चाहिए।
- ✓ शुरुआत में माता का दूथ अच्छा अच्छा लगता है इसलिए शिशु स्तनपान करना छोड़ देता है। फिर भी पिलाने से पचने में कठिनाई होती है।
- ✓ विशेष स्थिति में स्तनपान कराने से शिशु को संतुष्टि नहीं मिलती है।
- ✓ माता जो भी भोजन करती है उसका असर शिशु पर पड़ता है। गरम, ठंडा, हल्का अथवा भारी खुराक होने से शिशु का पेट दुखेगा, सर्दी हो जाएगी आदि। इसलिए माता के आहार में बदलाव जरूरी है अथवा स्तनपान कराना छोड़ना पड़ेगा।
- ✓ शिशु को घड़ी देखकर एक निश्चित समय तक स्तनपान कराना चाहिए। इससे कम या ज्यादा दूध पीने का झंझट नहीं रहेगा।
- ✓ सही तरीके से स्तन में दूध नहीं उतर रहा है तो माता को बार-बार पानी पिलाना चाहिए।
- ✓ स्तन के आकार के अनुसार दूध बनता है। छोटे स्तन में कम तथा बड़े स्तन में ज्यादा दूध बनता है।
- ✓ स्तनपान कराने से शरीर तथा स्तन की सुन्दरता बिगड़ जाती है।
- ✓ स्तनपान कराने से थकावट होती है। शरीर दुर्बल और कांतिहीन हो जाता है।
- ✓ स्तनपान कराने वाली माता टॉनिक ले तो शिशु तंदरुस्त रहता है। स्तनपान करने वाले शिशु को टॉनिक की आवश्यकता पड़ती है।
- ✓ स्तन से दूध टपकना, आवश्यकता से अधिक मात्रा में दूध बनने का संकेत है।
- ✓ दूध के माध्यम से माता की बीमारी शिशु को लग सकती है। इसलिए माता को सामान्य सर्दी अथवा बुखार हो तो स्तनपान कराना छोड़ दें।
- ✓ सीजरियन ऑपरेशन से शिशु जन्म लिया हो तो स्तनपान नहीं कराना चाहिए।

- ✓ जुड़वा शिशु हो तो एक को स्तनपान कराएं तथा दूसरे को बाहर का दूध दें। दोनों को दूध पूरा नहीं होगा।
- ✓ गर्भावस्था के दौरान स्तनपान नहीं कराना चाहिए।
- ✓ माता सामान्य बीमारी की भी दवा ले रही हो तो डॉक्टर के पूछे बिना स्तनपान नहीं कराना चाहिए।
- ✓ शिशु को आंख, नाक, कान में तकलीफ हो तो माता का दूध कुछ बूंद रखने से राहत मिलती है।
- ✓ स्तन में दूध का भराव अथवा निप्पल में सूजन हो तो स्तनपान छुड़ा देना अति आवश्यक है।
- ✓ बार-बार दूध उलटी करने का संकेत है कि शिशु को दूध नहीं पच रहा है।
- ✓ शिशु को डेढ़-दो वर्ष तक मात्र माता के दूध पर रखा जाए तो कोई बात नहीं।
- ✓ माता के दूध के अलावा कोई पूरक आहार तभी शुरू किया जाना चाहिए जब शिशु को दांत आ जाए।
- ✓ दस्त हो तो शिशु को स्तनपान बन्द करा देना चाहिए क्योंकि दूध से दस्त बढ़ता है तथा दस्त के दौरान दूध नहीं पचता है।
- ✓ माता का दूध सूख जाने के बाद दुबारा नहीं भरता है।
- ✓ पहले शिशु के समय दूध सूख गया तो अथवा कम उतरता हो तो दूसरे शिशु के समय भी ऐसा ही होता है।